Seventeenth Loksabha

>

Title: Requesting the government to find the ways to deal with the climate change and increasing Natural Calamity disasters in the country.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): माननीय सभापति महोदय, आपने शून्य प्रहर में मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको बधाई और धन्यवाद देता हूं । आज पूरे देश में मौसम का मिजाज गड़बड़ा गया है । कहीं मई में बरसात होनी चाहिए, तो वहां जुलाई में हो रही है । आपने देखा कि इस बार पहले सुखाड़ हुआ । हम बिहार से आते हैं । महाराष्ट्र के लोगों ने इस पर चर्चा की और मध्य प्रदेश के लोगों ने भी इस पर चर्चा की कि मौसम का जो मिजाज गड़बड़ाया है, इसको कैसे ठीक करना चाहिए? हम तमाम लोगों की जिम्मेदारी बनती है ।

हमने बिहार में देखा कि पहले सुखाड़ हो गया, फिर जुलाई में बारिश इतनी हुई कि पटना भी डूब गया । इस पर काफी चर्चा हुई । लोगों ने बताया कि 30 वर्षों के बाद इतनी बारिश हुई । मैं सदन से मांग करता हूं कि पूरे देश में इस पर चर्चा होनी चाहिए कि जलवायु में जो परिवर्तन हो रहा है, मौसम का मिजाज जो गड़बड़ा रहा है, इसको कैसे ठीक किया जाए ।

बिहार के माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस पर एक कार्यक्रम शुरू किया है - जल, जीवन, हरियाली । उन्होंने इसको लिया है, एडॉप्ट किया है । मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस पर ध्यान देने की जरूरत है कि जो मौसम का मिजाज गड़बड़ाया है, इसको कैसे ठीक किया जाए?